जय बोलो हनुमान की | By Fakkar Mirasi & Party

मैं कथा सुनाऊँ सबको, मैं पवन पुत्र हनुमान की
जय बोलो हनुमान की, जय बोलो

और बालेपन में बजरंग जी ने अपना बल दिखलाया
एक खिलौना समझ के सूरज मुख में आन चबाया
और हुआ अँधेरा पृथ्वी पर भगवान पास में आया
दे अकल वरदान प्रभु ने सूरज को छुटवाया
सभी देवता करे बढ़ाई देखो अंजनी के संतान की
जय बोलो हनुमान की, जय बोलो
मैं कथा सुनाऊँ सबको, मैं पवन पुत्र हनुमान की
जय बोलो हनुमान की, जय बोलो

और सीता जी की सुध ल्याने गए अशोक बन में जाए
भूख लगी जब बाग़ उजाड़ा फल तोड़ सारो खाये
पता चला जब रावण ने पकड़ लीना हनुमान
पूँछ के जिस दिन आग लगाईं लंका दीन्हि जलाये
देके अंगूठी माँ सीता को ये तो भगवान् की
जय बोलो हनुमान की, जय बोलो
मैं कथा सुनाऊँ सबको, मैं पवन पुत्र हनुमान की
जय बोलो हनुमान की, जय बोलो

और मेघनाथ ने लक्ष्मण जी पर ऐसा बाण चलाया
मूर्छा हो कर गिरे ज़मीं पर लक्ष्मण होश गुमाया
और संजीवन बूटी लाने को ध्याया
समझ ना आई तो उनके सारा पर्वत ले आया
जब रक्षा की बजरंग ने देखो लक्ष्मण जी के प्राण की
जय बोलो हनुमान की, जय बोलो
मैं कथा सुनाऊँ सबको, मैं पवन पुत्र हनुमान की
जय बोलो हनुमान की, जय बोलो

और पातालपुरी में पहुँच गए पर जा बीता पलटाई
हाय रावण को मारो नी क्या उनसे मेरा काम
जा चीर दिखाया सीना देख के रघुवर माता जानकी
जय बोलो हनुमान की, जय बोलो
मैं कथा सुनाऊँ सबको, मैं पवन पुत्र हनुमान की
जय बोलो हनुमान की, जय बोलो

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9c%e0%a4%af-%e0%a4%ac%e0%a5%8b%e0%a4%b2%e0%a5%8b-%e0%a4%b9%e0%a4%a8%e0%a5%81%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%a8-%e0%a4%95%e0%a5%80-by-fakkar-mirasi-party/